अनुक्रमांक ....

कूट सं. : 820161.1-SA_2(M)

कक्षा - आठवीं

हिंदी

(संकलनात्मक मूल्यांकन - II)

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 19 प्रश्न हैं और कुल 7 मुद्रित पृष्ठ हैं।

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 90

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के दो खंड हैं - '<u>क</u>' और '<u>ख</u>'।
2. दोनों खंड अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
4. उत्तर-पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई है।

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- 5×1=5

भारत के संदर्भ में एक प्रचलित भ्रामक धारणा यह है कि इस देश में सभ्यता का प्रकाश आर्यों के आगमन के साथ ही आया। नये पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्य इस भ्राँति का खंडन करते हैं। उत्तर-पश्चिम से आर्य-भाषाएँ बोलने वाले समूहों की लहरें, एक के बाद एक जब इस उप-महाद्वीप मे आ रही थीं तब भारत में एक उन्नत सभ्यता का विकास हो चुका था। इस सभ्यता के मुख्य तत्व थे -सुनियोजित नगर, विकसित कृषि-व्यवस्था, वाणिज्य और व्यापार का सुनियंत्रित जाल, जटिल धार्मिक विश्वास और कर्मकांड और एक ऐसी लिपि जिसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। यह सभ्यता 'सिंधु घाटी की सभ्यता' अथवा 'हड़प्पा सभ्यता' के नाम से जानी जाती है। नये अनुसंधानों से हमें इसके सीमा-विस्तार के संबंध में बहुत ही महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध हुई। इसका विस्तार एक ओर पंजाब और हरियाणा तक था; तो दूसरी ओर गुजरात के समुद्र तक। 'सिंधु घाटी सभ्यता' के पहले भी इस देश में पत्थर के उपकरण का उपयोग करने वाली अनेक संस्कृतियाँ थीं।

(क) भ्रामक धारणा से आप क्या समझते हैं ?

(ख) भारत की सभ्यता के विकास के संदर्भ में कही गई बात भ्रामक कैसे है ?